ढुँढाड़ी भाषा त्रैमासिक पत्रिका

आपणो ढूंढाड़, आपणी भासा

जुलाई सूं सितम्बर-2018

संपादक

निर्माण सोसायटी-चाकसू

चोखा बच्यार

1. ऊं आदमी को काम सई हअ छ, जे टेम का स्याब सूं काम करअ छ। – वृन्द

2. बाठ मत न्हाळो, सई टेम कद्यां बी कोन आवअ। – नेपोलियन हिल

पेळयां

1. उजाड़ दंगड़ मअ झूंतर्या फअलार उबी।-**खजूर**

2. तणबट की ठीकरी तुंताटा करती जाई।

ईं फेळी को अरत बतादे,
रफ्या देद्यूं ढाई॥-**मोख**

कावतां

1. भागता चोर का रूंगटाई सई।

अर्थ:- लुप्त होती हुई वस्तु जो मिलती वह सही है।

2. राड़ सूं बाड़ भली।

अर्थ:- झगड़ा करने की अपेक्षा समझदारी से कार्य करना अच्छा है।

थापड़्यां सूं पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा की दुवाई

(उपलों से बना ह्यूमिक एसिड)

थापड़्यां सूं पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा की दुवाई बणअ छ। थापड़्यां सूं बणेड़ी दुवाई ह्यूमिक एसिड कअ बराबर काम करअ छ। ईं दुवाई नअ छोटा पेड-पोदा नअ बडाबा अर जोरवांन करबा बेई काम मअ ले छ।

दुवाई बणाबा की सामगरी:-

25-30 थापड़्यां या छाणा लेल्यो।

50 लीटर को एक राछ या पलास्टिक की टंकी लेल्यो।

दुवाई बणाबा को तरीको:-

एक 50 लीटर पाणी माबाळो राछ या पलास्टिक की टंकी मअ दो साल पराणी थापड़्यां या छाणा नअ दाबड़ा की जियां जमार टंकी नअ पूरी भरल्यो। फेर टंकी मअ उपरअ तक पाणी सूं पूरी भरल्यो। अब ईं टंकी नअ सात दन तक मली रअबाद्यो अर नतकई दन मअ एक या दो बार हलाद्यो ताकि पाणी मअ हलचल हअती रअ (टंकी मअ डण्डा सूं न हलाणो, नईं तो सगळी थापड़्यां फूटज्याली)। सात दन पाछअ थापड़्यां का पाणी नअ नखाळर न्यारो करल्यो अर थापड़्यां नअ सुखार बाळबा का काम मअ लेल्यो।

ईं दुवाई नअ काम मअ लेबा को तरीको:-

थापड़्यां का पाणी की दुवाई पोदां नअ बडाबा अर जोरवांन करबा कअ तोड़ी घणी बडिया छ। थापड़्यां का पाणी की दुवाई एक बाल्टी मअ सादा तीन बाल्टी का स्याब सूं पाणी नअ मलार दुवाई त्यार करल्यो। अब ईं दुवाई नअ खड़ी फसल पअ छड़काव करद्यो। दुवाई को छड़काव करबा सूं फसल बडी अर जोरवांन हअज्याली। अगर थांकन एक एकड़ जमी छ तो 50 लीटर थापड़्यां का पाणी की दुवाई हअणी चाईजे। 50 लीटर थापड़्यां का पाणी मअ सादा तीन गुणा पाणी मलाबा सूं 200 लीटर पाणी की दुवाई त्यार हअज्याली।

अगर थे फसल नअ ओर बी बडिया बणाबो चावो छो तो थापड़्यां का पाणी की दुवाई बणार सात दन पाछअ एक बार ओर छड़काव करद्यो।

सावधानी:-

दुवाई नअ बणायां पाछअ एक मअना कअ मांईं काम ले लेणो चाईजे।

ढुंढाड़ी भासा मअ साख

1 कबीरा काची देह का, कोई भरोसा नाईं।

काल जो दीख्या मण्डपां, आज मसाणा मांईं॥

2 सत संगत की ना नईं, ओर पाई न सतगुरू सार।

कूकरा ज्यूं भूसता फरअ, भाई जावअ जमारो हार॥

ढुंढाड़ी भासा मअ काअणी:-
लालची आदमी

एक बार एक आदमी छो। एक दन वो धनवांन सेठ सूं मल्यो। वो आदमी ऊं दन सूं सोच लियो कअ, म्ह बी धनवांन बणुलो। थोड़ा दना तक वो खूब रफ्या कमायो। फेर ऊंको मलाण एक ग्यानी आदमी सूं हअग्यो। वो ऊं दन सूं सोच लियो कअ, म्ह बी ग्यानी बणुलो। वो काम-काज नअ छोडर पडबा लागग्यो। थोड़ा दना पाछअ ऊंको मलाण एक गीत गाबाळा कलाकार सूं हअग्यो। ऊंनअ गीत गाबो सई लाग्यो। वो पडाई छोडर गीत गाबा लागग्यो। ऊंकी घणी उमर बीतगी, न तो वो धनवांन, न वो ग्यानी, न ईं वो गीत गाबाळो बण्यो।

थोड़ा दना पाछअ वो एक बाबाजी सूं मल्यो। वो ऊंको सारो दुख बाबाजी नअ बता दियो। बाबाजी हंसर बोल्यो, बेटा या दनियां घणी चींकटी छ। जण्डअ बी जावअला कोई नअ कोई चोखो लागअलो। थे एक सपनो पूरो करबा की सोचल्यो। थानअ सफलता जरूर मलअली। ऊं आदमी कअ सारी बात समज मअ आगी। फेर वो उलटोई सेठ बणबा कअ ताणी कमाबा लागग्यो अर वो एक बडिया धनवांन सेठ बणग्यो।

सीख:- जन्दगी मअ एक लकस्य रांखर काम करणो चाईजे।

ढुंढाड़ी भासा मअ चुटकला

1. म्हारी जीजी अणपड छ

सरदार की जीजी एक दन बेमार हअगी, सरदार जीजी नअ डाखाना मअ लेग्यो।

डागदर:- बोल्यो दो टेस्ट हवअला।

सरदार:- जोर-जोर सूं रोबा लागग्यो, हे भगवान म्हारी जीजी तो अणपड छ, कियां टेस्ट देली?

2. पकोड़ा बणाई छूं

लुगाई:- आज म्ह थांकअ तोड़ी अस्यो खाणो बणाई छूं कअ, खातांईं थांकी गरमी दूर हअज्याली।

मोटयार:- अस्यो कांईं बणाई छ?

लुगाई:- नवरतन का तेल मअ पकोड़ा बणाईं छूं।

ढुंढाड़ी भासा मअ मुवावरा

1. काया कअ घुण लागबो।

अर्थ:- लम्बी बिमारी का शिकार होना।

वाक्य में प्रयोग :- राजेस की काया कअ घुण लागबा मअर नरचुई सूखग्यो।

2. काळज्यो नकाळर धरबो।

अर्थ:- सब कुछ समर्पित कर देना।

वाक्य में प्रयोग :- हड़मान न्यारो हियो जद्यां ऊंका भाई कन काळज्यो नकाळर धर दियो छो।

विज्ञापन देने का सुनहरा मौका

* स्कूल, कॉलेज, दुकान, प्रोपर्टी, कोचिंग कक्षाएं एवं सभी कौशल विकाश योजनाओं अन्य व्यवसाय एवं आपकी फोटो सहित पहचान व विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और आपके द्वारा लिखित साहित्य जैसे कविता, भजन, इतिहास, पौराणिक कथाएँ इत्यादि के विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें। कैलेंडर/पंचांग में विज्ञापन के लिए जुलाई-अगस्त एवं पत्रिका के लिए फरवरी, मई, अगस्त एवं नवम्बर माह में सम्पर्क करे।

ढुंढाड़ी भासा मअ परेरक गीत :-

बाबूल ब्याव सगाई रअबा दअ

बाबूल ब्याव सगाई रअबा दअ

छोटी-सी उमर मअ मत परणावअ म्हानअ पडबा जाबा दअ॥(टेर)

एक बरस की करी सगाई, दूजा बरस मअ फेरा

आठ बरस मअ गोणो कर दियो, कियां बाणअ डेरा

म्हानअ घर मअ मोज मनाबा दअ॥

छोटी-सी उमर मअ मत परणावअ..... ॥(1)

अणपड म्हारी बअण नानगी, छोरा-छोरी आठ

पाळ-पोसबो वा जाणी कोनी, बेमार्यां छ साठ

बेमारी टाबर की मिटाबा दअ

छोटी-सी उमर मअ मत परणावअ..... ॥(2)

पडचा-लिख्यां बना अकल न आवअ

असल गवांर कहावअ

खुद दुखी अर घर दुखी छोरा-छोर्यां नअ दुखी बणावअ

दुख ई सारो म्हानअ मिटाबा दअ॥

छोटी-सी उमर मअ मत परणावअ.....(3)

ढोला चालो पडबा नअ

आखर धाम मअ चालोनी ढोला पडबा नअ।

आपां साक्सर होवांला तत्काल॥

चालो पडबा नअ..... ॥(टेर)॥

ई कळजुग मअ च्यारो तरफां, भस्टाचार पनपर्यो छ।

बना पडाई ई दुनियां मअ, जीबो मुस्किल होर्यो छ॥

आखर साथी बुलावअ म्हानअ हाल, चालो पडबा नअ

आपां साक्सर होवांला तत्काल, चालो..... ॥(1)

पाटी-पोथी सगळी चीजां उण्डअई मिल जावअली।

आखर साथी बडा परेम सूं म्हानअ खूब पडावअली॥

म्हारा गुरूजी! पूछअला सवाल, चालो पडबा नअ

आपां साक्सर होवांला तत्काल, चालो..... ॥(2)

पअली, दूजी, तीजी पोथी, आपां जल्दी सूं पड जावांला।

भारत देस मअ फिर सूं, आखर ज्योती जगावांला॥

जनता साक्सर होवअली खुसहाल, चालो पडबा नअ

आपां साक्सर होवांला तत्काल, चालो..... ॥(3)

पड-लिख कर चालाक बणअंलां, सूज-बूज अपणावांला।

रासण को सोदो ल्याबा मअ, कदे नईं ठगावांला॥

'पूरण' देस होवअलो मालामाल, चालो पडबा नअ

आपां साक्सर होवांला तत्काल, चालो..... ॥(4)

लेखक-श्रीमान पूरण मल कोली
(ढुंढाड़ी साहित्य प्रेमी)
सेवानिवृति प्रधानाचार्य, चाकसू, जिला जयपुर, राज.

सहयोगी:-
मुकेश कुमार योगी, कविता योगी एवं रतन लाल योगी

लेखक:-
रामजी लाल बैरवा
पूरण मल बैरवा
बजरंग लाल बैरवा

प्रकाशन:
निर्माण सोसायटी
वार्ड नं. 6, तकिया मस्जिद के पास,
काली हवेली के पीछे,
देशवालियों का मोहल्ला, चाकसू, जयपुर,
राजस्थान–303901
Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
Web- www.nirmaan.org.in
Ph.-01429-243997